सोमवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
16 फरवरी 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 24
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बढ़ते अपराधों सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर

कांग्रेस का राजभवन कूच

संवाददाता

देहरादून। बिगड़ती कानून-व्यवस्था और हाल के दिनों में हुई जघन्य हत्याओं को लेकर कांग्रेस ने राजभवन कूच किया। पुलिस ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हाथीबडकला चौकी के पास बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया जिसके बाद वहां पर पुलिस व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोंक झोक हुई जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर पुलिस लाईन पहुंचा दिया।

आज यहां बढते अपराधों सहित विभिन्न मुददों को लेकर कांग्रेस के राजभवन कूच के लिए सुबह से ही कांग्रेसी कार्यकर्ता व पदाधिकारी परेड ग्राउंड में एकत्रित होने लगे। 11 बजे के आसपास कांग्रेस ने राजभवन के लिए कूच किया। इस दौरान पुलिस ने भी सुरक्षा के कडे इंतेजाम किये हुए थे। रैली जब परेड ग्राउंड से बाहर निकली तो पुलिस ने ओरियन्ट चौक से कनक चौक जाने वाले ट्रैफिक को ग्लोब चौक होते हुए भेज दिया तथा साथ ही कई स्थानों पर रूट डायवर्ट करते हुए रैली का निकाला गया। रैली जब हाथीबडकला चौकी के पास पहुंची तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया जिसके बाद वह वहीं पर धरने पर बैठ गये। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, विधायक, पूर्व मंत्री, जिला एवं महानगर पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए कहा कि राजधानी देहरादून सहित कई जिलों में दिन-दहाड़े हुई वारदातों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने दावा किया कि बीते पंद्रह दिनों में राजधानी समेत विभिन्न जिलों में कई जघन्य हत्याएं हुईं, लेकिन सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई और गिरफ्तारी नहीं हो सकी। कांग्रेस का आरोप है कि इससे अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं और आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह और चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत ने कहा कि “देवभूमि” की छवि वाले राज्य में बढ़ते अपराध बेहद चिंताजनक हैं। उनका आरोप है कि मौजूदा सरकार अपराध रोकने में प्रभावी कदम उठाने में असफल रही है और कानून का भय कम होता दिखाई दे रहा है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि महिला अपराधों में वृद्धि सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करती है। कांग्रेसियों ने कहा कि संवेदनशील और अपराध-प्रवण क्षेत्रों में विशेष सघन अभियान चलाया जाए। संगठित अपराध एवं हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। हर गंभीर आपराधिक घटना की समयबद्ध और उच्चस्तरीय जांच सुनिश्चित की जाए। पुलिस प्रशासन की जवाबदेही तय कर लापरवाही पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। आमजन में सुरक्षा की भावना स्थापित करने के लिए दृश्यमान और प्रभावी कदम उठाए जाएं। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी चरणबद्ध और उग्र आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष जनता की सुरक्षा, न्याय और प्रदेश में शांति व्यवस्था की बहाली के लिए है। परेड ग्राउंड में उमड़ी भीड़ और गूंजते नारों ने साफ संकेत दिया कि विपक्ष कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति पर आगे बढ़ चुका है। अब निगाहें सरकार की प्रतिक्रिया और आगे उठाए जाने वाले ठोस कदमों पर टिकी हैं। जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर पुलिस लाईन भेज दिया।

उत्तराखंड में दो न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी

❑ पुलिस व बीडीएस मौके पर तैनात, कोर्ट परिसर कराये खाली

हमारे संवाददाता

नैनीताल/उत्तरकाशी। उत्तराखंड के नैनीताल और उत्तरकाशी जिलो से बड़ी सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां दोनों ही जिलों में जिला एवं सत्र न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल द्वारा दी गयी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया साथ ही पुलिस व बीडीएस की टीमें दोनों ही जिलों में जिला एवं सत्र न्यायालय में पहुंची और कोर्ट परिसर को खाली कराकर संघन जांच शुरू कर दी गयी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑल इंडिया जजेस संगठन को ई-मेल भेजा गया था। जिसमें नैनीताल जिला न्यायालय को निशाना बनाते हुए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ई-मेल मिलने के बाद न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वाड और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और पूरे परिसर की सघन जांच की गई। बताया जा रहा है कि ऑल इंडिया जजेस संगठन को एक ई-मेल प्राप्त हुआ है, जिसमें नैनीताल जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. सूचना मिलते ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को अवगत करा दिया गया है. फिलहाल पुलिस और बम डिस्पोजल टीम द्वारा न्यायालय परिसर की जांच की जा रही है और सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं।

वहीं इस मामले पर नैनीताल एसपी डॉ जगदीश चंद्र ने बताया कि ईमेल के माध्यम से नैनीताल जिला एवं सत्र न्यायालय में बम होने की सूचना मिली थी. इसके बाद कोर्ट में पुलिस तैनात की गई है। साथ ही बम निरोधक दस्ते सहित अन्य एजेंसियों द्वारा भी कोर्ट में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

वहीं नैनीताल के अलावा जिला न्यायालय उत्तरकाशी को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद जिला न्यायालय उत्तरकाशी में अफरा तफरी मच गई। जिला जज की सूचना पर सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने पूरे न्यायालय परिसर को खाली करवाया। पुलिस और इंटेलिजेंटस टीम ने कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं, जिला प्रशासन प्रशासन अलर्ट मोड़ पर आ गया है। बताया जा रहा है कि उत्तरकाशी अदालत परिसरों में ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या कांग्रेस के प्रदर्शन से डर गयी सरकार?

कांग्रेस के पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज 16 फरवरी को राजभवन घेराव किया जाना है। जिसके प्रचार के लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से राजधानी देहरादून में जगह-जगह पोस्टर-बैनर लगाये गये थे। लेकिन शायद जिला प्रशासन को यह सब पसंद नहीं आया और जिला प्रशासन के दबाव में आकर नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा आज सुबह यह सभी पोस्टर बैनर हटा दिये गये। इस मामले में बुद्धीजीवियों का कहना है कि देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा कभी नहीं देखा गया। उनका कहना है कि सरकार चाहे किसी की भी रही है विपक्ष को अपनी बात कहने या धरना प्रदर्शन का हक है। जिसकी इजाजत हमारा संविधान भी देता है। लेकिन उत्तराखण्ड राज्य में इन दिनों क्या संविधान में लिखी इन बातों का पालन नहीं किया जा रहा है यह सोचनीय सवाल है? वहीं इस मामले में कुछ भाजपा नेताओं का कहना है कि नगर निगम ने सिर्फ स्वच्छ स्मार्ट सिटी रखने के तहत यह कार्यवाही की है। लेकिन आमजन का यह मानना है कि जब स्मार्ट सिटी में सत्ताधारी दल के पोस्टर बैनर लगते है तो तब किसी नगर निगम के अधिकारियों को यह सब दिखाई नहीं देते है? और उनके पोस्टर बैनर महिनो-महिनो तक लगे रहते है तब क्या स्मार्ट सिटी की सुन्दरता पर ग्रहण नहीं लगता है? जिला प्रशासन की यह सब हरकत देखकर तो ऐसा लगता है कि शायद सरकार कांग्रेस के इस राजभवन कूच के प्रदर्शन को देखकर डर लग रहा है। वहीं मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह का कहना है कि शासन-प्रशासन के अधिकारियों को यह समझना होगा कि सरकार तो हमेशा किसी की भी स्थायी नहीं रहती है, यह तो बदलती ही है। तब इन अधिकारियों को इस पर सोचने की जरूरत है कि क्या वह अपना काम सही ढंग से कर रहे है या वह संविधान को कुचलने पर लगे हुए है।

‘पूरे प्रदेश में चलेगा व्यापक सत्यापन अभियान, संदिग्धों पर होगी कार्यवाही’

देहरादून (कासं)। दीपम सेठ, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड के निर्देशानुसार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु सघन सत्यापन प्रारंभ किया गया है। यह विशेष अभियान प्रदेश के सभी जनपदों में सर्किल, थाना एवं चौकी स्तर पर संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत मल्टी स्टोरी अपार्टमेंटस, आश्रम, धर्मशालाएं, किराये के मकान, फ्लैट, पीजी, होम-स्टे, होटल एवं गेस्ट हाउस में निवासरत व्यक्तियों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। प्रॉपर्टी डीलर, रियल एस्टेट एजेंट एवं ब्रोकर का सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा तथा उनके माध्यम से कराए गए किरायेदारी अनुबंधों की जांच की जाएगी। बिना पुलिस सत्यापन किरायेदारी कराने अथवा संदिग्ध व्यक्तियों को आश्रय देने पर विधिसम्मत कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

होम डिलीवरी सेवाओं, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी एजेंटों, सिक्योरिटी एजेंसी स्टाफ, कैब संचालकों तथा इंडस्ट्रियल एरिया में ठेकेदारों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। अमेजन,जोमेटो व ब्लिंकिट सहित विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं से संबद्ध कार्मिकों की पहचान एवं सत्यापन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान हेतु आधुनिक तकनीकी साधनों एवं केंद्रीय डाटाबेस का उपयोग किया जाएगा। अवैध रूप से निवास कर रहे प्रवासियों, विशेष रूप से अवैध घुसपैठियों, बांग्लादेशी तथा वीजा अवधि समाप्त होने के उपरांत भी ठहरे हुए विदेशी नागरिकों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदेश के समस्त रिहायशी क्षेत्रों, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सर्विस सेंटर, कोचिंग संस्थान, जिम, स्कूल, विश्वविद्यालय, ट्रांसपोर्ट एजेंसियों, ब्यूटी पार्लर एवं सैलून आदि प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, उनकी कार्यशील स्थिति एवं रिकॉर्डिंग व्यवस्था का परीक्षण किया जाएगा। तैनात सुरक्षा कर्मियों का चरित्र सत्यापन कर उन्हें आवश्यक सुरक्षा ब्रीफिंग प्रदान की जाएगी। क्षेत्रों में निवासरत एकल नागरिकों एवं वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हीकरण कर उनकी सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन किया जाएगा। उनकी सेवा में लगे घरेलू सहायकों, केयर-टेकर, ड्राइवर एवं अन्य सहयोगी कार्मिकों का भी अनिवार्य सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के दौरान जनपदीय पुलिस, स्थानीय अभिसूचना इकाई, एसओजी एवं एसटीएफ द्वारा समन्वित रूप से कार्यवाही की जाएगी। प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण कर आवश्यकतानुसार अन्य राज्यों एवं केंद्रीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया जाएगा। प्रत्येक थाना स्तर पर विशेष फील्ड टीमों का गठन किया गया है। सीओ से लेकर आईजी रेंज स्तर तक समीक्षा व्यवस्था लागू की गई है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

उत्तराखण्ड डी-रेगुलेशन कम्प्लायंस रिडक्शन में देश में पांचवें स्थान पर: लोचन

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन ने बताया की उत्तराखंड ने डी-रेगुलेशन 1. 0 कम्प्लायंस रिडक्शन में देश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

आज यहां केंद्र सरकार द्वारा कारोबार में सुगमता बढ़ाने के लिए गठित टास्क फोर्स की अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन एवं मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (फेज 2) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन ने बताया की उत्तराखंड ने डी-रेगुलेशन 1.0 कम्प्लायंस रिडक्शन में देश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम, लैंड यूज, होम स्टे तथा उद्यमिता एवं श्रम सुधारो के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयोगों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य के लिए फेस-2 के तहत कुल 9 प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं जिसमें राज्य को भूमि उपयोग, भवन एवं निर्माण की स्वीकृति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, पर्यावरण, पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार, जैसी प्राथमिकताएँ शामिल हैं। इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य राज्य में विकास कार्यों को और गति देना, निवेश और आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत करना तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव ने सुझाव देते हुए कहा कि उद्योग से संबंधित प्रकरणों एवं प्रस्तावों को निर्धारित समय के अंदर मंजूरी मिले इसके लिए भी कार्य किया जाए। साथ ही छोटे उद्योगों के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था लागू की जाए ताकि छोटे निवेशकों को भी बढ़ावा मिल सके। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव ने बताया कि उत्तराखंड का मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 26 प्रतिशत योगदान करता है, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा औपचारिक रूप से पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित किया जाता है। राज्य में विनिर्माण क्षेत्र के लिए सकारात्मक वातावरण है, जिसमें कुशल मानव संसाधन, उच्च साक्षरता दर, जीवन की अच्छी गुणवत्ता और सुंदर प्राकृतिक वातावरण शामिल हैं। इन विशेषताओं के चलते उत्तराखंड निवेश और उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बताया कि राज्य में निवेश अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा इसके साथ भवन एवं निर्माण, बिजली, श्रम सुधार, अग्निशमन, पर्यटन, स्वास्थ्य तथा शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास किया जा रहे हैं साथ ही निवेश को बढ़ाने के लिए निवेशकों की सुविधा अनुसार नियमों में सुधार किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस फेज 2 के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन करने तथा राज्य में निवेश अनुकूल वातावरण को और अधिक सरल बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर केंद्रीय अपर सचिव राहुल शर्मा, राजेश शर्मा, सचिव आर राजेश कुमार, श्रीधर बाबू अदाकी, रंजीत सिन्हा, रविशंकर,विशेष सचिव मधुकर पराग धकाते, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ गहरवार , अभिषेक रोहेला एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसबी ने प्रतिभागियों को दिए प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। सशस्त्र सीमा बल की 55वीं वाहिनी, पिथौरागढ़ द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं के लिए केंद्रीय सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए सात दिवसीय भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय के निर्देशानुसार 9 फरवरी से शुरु किया गया था।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कमांडेंट आशीष कुमार के मार्गदर्शन में वाहिनी मुख्यालय पिथौरागढ़ सहित सीमा चौकी जौलजीबी, झुलाघाट तथा बगड़ीहाट के कार्यक्षेत्र में एक साथ संचालित किया गया। झुलाघाट, जौलजीबी एवं बगड़ीहाट में संबंधित कंपनी कमांडरों द्वारा कार्यक्रम का समापन के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं/युवतियों को केंद्रीय सशस्त्र बलों में भर्ती की प्रक्रिया हेतु शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक रूप से सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्रसेवा की भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें केंद्रीय सशस्त्र बलों में सेवा का अवसर प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सोसाइटी फॉर एक्शन इन हिमालया के सौहार्दपूर्ण सहयोग से किया गया।

समापन अवसर पर त्रिभुवन प्रसाद, उप-कमांडेंट, 55वीं वाहिनी द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए तथा उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र के युवा देश की सुरक्षा व्यवस्था की प्रथम पंक्ति हैं और उनमें केंद्रीय सशस्त्र बलों में सेवा करने की अपार क्षमता है। उन्होंने युवाओं से अनुशासन का पालन करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने एवं प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर निमित अहलावत, उप-कमांडेंट, बिप्लब कुमार रॉय, उप कमांडेंट, नीरज चौहान, सहायक कमांडेंट (संचार) एवं सोसाइटी फॉर एक्शन इन हिमालया के निदेशक जगत सिंह मर्तोलिया की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को शारीरिक दक्षता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक सुदृढ़ता, चिकित्सा परीक्षण, लिखित परीक्षा की तैयारी, सामान्य ज्ञान, जीवन कौशल एवं केंद्रीय सशस्त्र बलों में उपलब्ध करियर अवसरों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को व्यवस्थित एवं परिणामोन्मुखी प्रशिक्षण दिया गया।

सोसाइटी फॉर एक्शन इन हिमालया के निदेशक जगत मर्तोलिया ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम सीमावर्ती युवाओं के आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

25 सूत्रीय कार्यक्रम और ई-ऑफिस संचालन की समीक्षा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा की अध्यक्षता में 25 सूत्रीय कार्यक्रम और ई-ऑफिस संचालन को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने 25 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रत्येक बिंदु पर अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए। जिन योजनाओं में प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनमें विशेष कार्ययोजना बनाकर तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियों का नियमित अनुश्रवण करने और अद्यतन आंकड़ों को समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। विकास कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की नियमित निगरानी पर भी विशेष जोर दिया गया। ई-ऑफिस प्रणाली को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को अपने-अपने कार्यालयों में शत-प्रतिशत संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पत्रावलियों का संचालन, पत्राचार, अभिलेखों का संधारण और अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाए, ताकि कार्यों में पारदर्शिता और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

पालिका ने बकायेदारों को भेजे अंतिम नोटिस

चम्पावत(आरएनएस)। भवन कर की बकाया वसूली के लिए पालिका ने सख्त कदम उठाया है। पालिका ने बकायेदारों को अंतिम नोटिस भेजने शुरू कर दिए हैं। इसके बाद भी बकाया जमा नहीं करने वालों की आरसी काटी जाएगी। पालिका का निजी और कामर्शियल बकायेदारों पर पर करीब 25 लाख रुपये से अधिक का बकाया है। चम्पावत पालिका क्षेत्र में कई बकायेदारों ने लंबे समय से भवन कर जमा नहीं कराया है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को देखते हुए पालिका ने वसूली अभियान तेज कर दिया है। अब पालिका ने भवन कर के बकायेदारों को अंतिम नोटिस भेजने शुरू कर दिए हैं। पालिका का 85० से अधिक निजी और और 3० कामर्शियल बकायेदारों पर 25 लाख रुपये से अधिक का बकाया है। अंतिम नोटिस के बाद भी बकाया नहीं जमा करने वालों की आरसी काटी जाएगी। बता दें कि वर्ष 2०18 में किए गए सर्वे में पालिका क्षेत्र में 28०० भवन चिन्हित किए गए थे। पालिका क्षेत्र में वर्ष 2०18 में कारपेट एरिया के आधार पर भवन कर तय किया था। जिसके बाद यहां सबसे कम भवन कर 45० रुपये है। जबकि सबसे अधिक भवन कर 4० हजार रुपये है। पालिका क्षेत्र में वर्तमान में 16 से अधिक होटल हैं।

वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

हल्द्वानी(आरएनएस)। पूर्व सैनिकों की ओर से शुक्रवार को भटलानी स्थित एक बैंक्वेट हॉल में सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत-पाक युद्ध 1971 और कारगिल युद्ध में शामिल जवानों, जम्मू कश्मीर और गलवान में हुई मुठभेड़ में शहीद जवानों के आश्रितों और 8० से अधिक उम्र वाले पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। कर्नल थान सिंह सुयाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती शिशु मंदिर कोटाबाग के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत और देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने सभी पूर्व सैनिकों से अपने-अपने क्षेत्र में युवाओं को साथ लेकर समाज में चल रहे नशे एवं अन्य गलत कार्यों के खिलाफ जागरूक करने और उन्हें रोकने की बात कही। सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए अर्जुन पांडे को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेनि. सूबेदार धारा बल्लभ नैनवाल, सेनि. कै. मोहन चंद कबड़वाल, सेनि. कै. तारा सिंह अधिकारी, सेनि. कै. सुरेश लाल शाह, सूबेदार त्रिलोक सिंह सहित कई पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

घाटों से नदी दूर बहने के कारण श्रद्धालुओं को हो रही परेशानी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद मुख्यालय के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं को गंगाजल लेन के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों नदी का जलस्तर कम होने के कारण जल भरने के लिए श्रद्धालुओं को घाटों से दूर बह रही नदी तक जाना पड़ता है। उत्तरकाशी मंदिर जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष अजय बडोला ने कहा कि मकर संक्राति सहित शिवरात्री और हर दिन मणिकर्णिका घाट पर लोग गंगा जल लेने और स्नान के लिए पहुंचते हैं। लेकिन मंकर संक्राति में नदी का जलस्तर कम होने के कारण वह घाट से दूर बहने के कारण दूर-दराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ओर देवडोलियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। साथ ही अब शिवरात्री भी आने वाली है। उस दिन भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की इस घाट पर गंगा जल भरने के लिए अधिक भीड़ एकत्रित होती है लेकिन नदी दूर बहने के कारण मकर संक्राति की तरह ही शिवरात्री में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। हर दिन आने वाले श्रद्धालु इस समस्या से लगातार परेशान हो रहे हैं। उन्होंने जिल प्रशासन से मांग की है कि मणिकर्णिका घाट के महत्व को देखते हुए यूजेवीएनएल को निर्देशित किया जाए कि जोशियाड़ा बैराज में अतिरिक्त पानी को रोका जाए। इससे घाटों तक भागीरथी नदी का पानी पहुंच पाएगा।

एसएसपी ने की मासिक अपराध गोष्ठी, कानून व्यवस्था मजबूत रखने पर जोर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी और पुलिस कर्मियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

बैठक में जिले की कानून व्यवस्था, लंबित मामलों और हाल की आपराधिक घटनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे मैदान में उतरकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की शुरुआत में पुलिस उपाधीक्षक अल्मोड़ा रहे गोपाल दत्त जोशी के देहरादून स्थानांतरण पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके आगामी दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। वहीं बलवन्त सिंह रावत को अल्मोड़ा सर्किल की जिम्मेदारी सौंपी गई। गोष्ठी में अपराध नियंत्रण और विवेचनाओं के निस्तारण को लेकर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए और गंभीर मामलों में फॉरेंसिक टीम के साथ समन्वय बढ़ाकर साक्ष्य संकलन को मजबूत किया जाए।

बीट पुलिसिंग, गश्त और पिकेट ड्यूटी को और प्रभावी बनाने, साथ ही साइबर अपराधों में त्वरित एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस आपके द्वार, ऑपरेशन कालनेमि और ऑपरेशन भल छौ जैसे अभियानों को गंभीरता से लागू किया जाए। संगठित अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के तहत कार्रवाई करने, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा ड्रिंक एंड ड्राइव, रेट्रो साइलेंसर और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर सख्ती बरतने को कहा गया।

महिलाओं से जुड़े अपराधों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई पर विशेष बल देते हुए स्पष्ट किया गया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऑपरेशन स्माइल के तहत गुमशुदा लोगों की तलाश तेज करने और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश भी दिए गए। सम्मेलन के दौरान जनवरी माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। अपर उपनिरीक्षक दीवान सिंह और हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार को पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ चुना गया। इनके अलावा विभिन्न थानों और इकाइयों के कुल 21 पुलिस कर्मियों को सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रानीखेत विमल प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक अल्मोड़ा बलवन्त सिंह रावत, पुलिस उपाधीक्षक दूरसंचार राजीव कुमार टम्टा सहित जनपद के विभिन्न थानों और शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मरम्मत के इंतजार में स्कूल, टपकती छत के नीचे चल रही कक्षाएं

चमोली(आरएनएस)। ब्लॉक के भौरियाबगड़ गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय की हालत बेहद दयनीय है। विद्यालय का भवन जर्जर हो चुका है और छत में पड़ी दरारें से बारिश के साथ-साथ पाले का पानी भी कमरों के अंदर टपक रहा है। ऐसी स्थिति में 16 छात्र-छात्राएं टपकती छत और बदबूदार कमरों में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। कई बार मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजे जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। गांव के इस प्राथमिक विद्यालय में कुल 16 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय में तीन कमरे हैं, जिनमें से दो कमरों में कक्षाएं संचालित होती हैं, जबकि एक कमरे का उपयोग कार्यालय के रूप में किया जाता है। भवन की छत में दरारें पड़ चुकी हैं और कई जगहों से सीमेंट उखड़ चुका है, जिसके कारण बारिश के दिनों में पानी सीधे कमरों में टपकता है। जनवरी और फरवरी में तापमान गिरने से क्षेत्र में अधिक मात्रा में पाला गिरता है। यह पाला पिघलकर छत की दरारें से होते हुए कमरों के भीतर आ जाता है। कमरों में पानी भर जाने से शिक्षक बच्चों को सूखी जगह पर बैठाने के लिए मजबूर हो जाते हैं। कई बार स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि विद्यालय में छुट्टी करनी पड़ती है।

पुलिस दीदी बन महिला कांस्टेबल संवारेंगी छात्राओं का भविष्य

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पुलिस की ओर से अभया अभियान के तहत स्कूल-कॉलेजों में महिला सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत सभी थानों में तैनात महिला कांस्टेबल पुलिस दीदी के रूप में विद्यालयों को गोद ले रही हैं। इसके बाद उनकी ओर से छात्राओं और महिलाओं से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए कार्य किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय की पहल पर पुलिस की ओर से दिसंबर में अभया अभियान को शुरू किया गया था। इसके तहत सभी थानों में तैनात महिला कांस्टेबल को निर्देशित किया गया है कि वह अपने क्षेत्रों के विद्यालयों को गोद लेंगे। उसके बाद वहां पर महिला सशक्तिकरण और छात्राओं को उनके अधिकारों के लिए जागरूकता अभियान आदि का संचालन करेंगी। जनपद के विभिन्न थानों की महिला कांस्टेबलों ने अब तक करीब दस विद्यालयों को गोद लिया है। इसमें सरकारी और निजी विद्यालय शामिल हैं। यह पुलिसकर्मी पुलिस दीदी के रूप में कार्य करेंगी। साथ ही विद्यालयों में लगाए गए शिकायती बॉक्स का हर माह निरीक्षण करेंगी। एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि अभया अभियान स्कूल कॉलेजों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त करने और उनको जागरूक करने के लिए शुरू किया गया है।

अधिकारी अवकाश पर, मायूस लौट रहे फरियादी

हल्द्वानी(आरएनएस)। तहसील कार्यालय में इन दिनों अधिकारियों की गैरहाजिरी से कामकाज पूरी तरह प्रभावित है। उपजिलाधिकारी और तहसीलदार पिछले एक सप्ताह से अवकाश पर हैं, जबकि नायब तहसीलदार का पद पहले से रिक्त है। उप जिलाधिकारी और तहसीलदार अवकाश पर होने से अधिकांश पत्रावलियां लंबित पड़ी हैं। तहसील का प्रभार हल्द्वानी तहसीलदार के पास होने के बावजूद उनके नियमित रूप से न आने से आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। शुक्रवार को लगने वाले समाज कल्याण शिविर में भी संबंधित अधिकारी नहीं पहुंचे, जिससे समाज कल्याण व ग्राम विकास से जुड़े फरियादी निराश लौट गए। कार्यालय में काम न होने से अराइज नवीस भी प्रभावित हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने कहा कि जल्द ही लालकुआं तहसील में सभी अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी।

राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण के लिए सरकार ने एक और मौका दिया

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रदेश सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण के लिए लंबित आवेदन पत्रों का निस्तारण करने के लिए आंदोलनकारियों को एक और मौका दिया है। इसमें उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा जिसके आवेदन पत्र वर्ष 2०21 तक जिला प्रशासन के पास जमा हैं। राज्य आंदोलनकारी घोषित करवाने के लिए आवेदक को पूर्व निर्धारित सभी मानक पूरे करने होंगे। आवेदन पत्रों का निस्तारण करने के लिए छह माह की समय सीमा तय की गई है। पृथक उत्तराखंड राज्य गठन के बाद राज्य आंदोलन में विशेष भूमिका निभाने वालों को प्रदेश सरकार की ओर से राज्य आंदोलनकारी का दर्जा देकर उन्हें कई सुविधाएं प्रदान की जा रही है लेकिन अभी तक दर्जनों आवेदन पत्र प्रशासन के पास लंबित हैं, जिनका निस्तारण होना बाकी है। सरकार ने ऐसे लंबित आवेदन पत्रों के निस्तारण के लिए एक बार फिर से छह माह की समय सीमा तय कर आवेदकों को मौका दिया है। हालांकि इस बार भी आवेदक को दिसंबर 2०17 में निर्धारित सभी मानकों को पूरा करना होगा। राज्य आंदोलनकारी घोषित होने के लिए आवेदक को प्रदेश सरकार की ओर से तय किए गए मानकों में स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) रिपोर्ट, पुलिस के अभिलेखों में डेली डायरी की रिपोर्ट, प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) और चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट आदि दस्तावेज समिति के सम्मुख प्रस्तुत करने होंगे। इसमें उन्हीं आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा, जिनके आवेदन पत्र पहले से ही जिला प्रशासन के पास लंबित हैं। राज्य आंदोलनकारी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण से अभी कई लोग छूटे हुए हैं। जिला प्रशासन के पास करीब 15० से अधिक आवेदन पत्र लंबित हैं। नए आवेदकों को भी मौका दिया जाना चाहिए।

सीजन के अंत में पैक करने से पहले ऐसे साफ करें ऊनी कपड़े, नहीं आएगी दुर्गंध

जब मौसम गर्म होने लगता है तो लोग अपने सर्दियों के कपड़ों को पैक करना शुरू कर देते हैं। हालांकि, उन्हें पैक करने से पहले उन्हें अच्छे से साफ करना जरूरी होता है। ऐसा न करने पर उनमें मौजूद गंदगी और बैक्टीरिया अगले सीजन तक बढ़ जाते हैं और उनसे दुर्गंध आती रहती है। आपको अपने ठंड के ऊनी कपड़ों को पैक करने से पहले इस तरह से साफ कर लेना चाहिए।

सबसे पहले कपड़ों को अलग-अलग करें

सबसे पहले ऊनी कपड़ों को अलग-अलग कर लेना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आपके पास स्वेटर, मफलर, जैकेट और टोपी आदि हैं तो उन्हें अलग-अलग करें। इससे आपको यह पता लग जाएगा कि आपको कितने ऊनी कपड़े धोने हैं। इसके अलावा आप उन्हें रंगों के अनुसार भी अलग कर सकते हैं, जैसे हल्के रंग के ऊनी कपड़े एक जगह और गहरे रंग के ऊनी कपड़े एक जगह पर रखें। इससे आपके लिए उन्हें साफ करना आसान हो जाएगा।

ऊनी कपड़ों को धोने के लिए इस्तेमाल करें ये तरीका

ऊनी कपड़ों को धोने के लिए मुलायम ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके लिए सबसे पहले मुलायम ब्रश को गुनगुने पानी में भिगोएं, फिर इससे कपड़े को हल्के हाथों से रगड़ें। इससे कपड़ों पर जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी। इसके अलावा मुलायम ब्रश से रगड़ने पर ऊनी कपड़े के रेशे भी नहीं निकलेंगे। यह तरीका ऊनी कपड़ों को धोने के लिए सबसे सुरक्षित और प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा आप उन्हें पानी में भिगोकर भी साफ कर सकते हैं।

ऊनी कपड़ों को धोते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

ऊनी कपड़ों को धोते समय गर्म पानी का इस्तेमाल न करें, क्योंकि गर्म पानी ऊनी कपड़े को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके बजाय गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और हमेशा हल्के साबुन का उपयोग करें। इसके अलावा कपड़ों को ज्यादा देर तक पानी में न भिगोएं, क्योंकि इससे उनका आकार बिगड़ सकता है। इसके लिए 5-10 मिनट का समय ही काफी है। इसके बाद कपड़ों को हल्के हाथों से रगड़कर साफ कर लें।

सूखने के बाद ऊनी कपड़ों को कैसे करें स्टोर?

ऊनी कपड़ों को धोने के बाद उन्हें अच्छे से सुखाना बहुत जरूरी है, ताकि उनमें कोई नमी न रहे। नमी के कारण कपड़ों में फफूंद लग सकती है या उनसे एक दुर्गंध आ सकती है। इसके लिए उन्हें धूप में सुखाना सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। धूप में सुखाने से कपड़ों की महक भी ठीक रहती है और उनकी गुणवत्ता पर भी असर नहीं पड़ता। इसके बाद कपड़ों को साफ और सूखे डिब्बे या बैग में रखें।

ऊनी कपड़ों को पैक करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

ऊनी कपड़ों को पैक करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वे पूरी तरह से सूखे हों और उनमें कोई नमी न हो। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि उन्हें धूप में कुछ घंटों तक रखें। इसके अलावा आप कपड़ों के बीच में लैवेंडर या किसी अन्य सुखद महक वाला पैकेट रखें, ताकि उनमें महक बनी रहे और वे अगले सीजन तक ताजा रहें। इस तरह आप अपने ऊनी कपड़ों को सही तरीके से पैक कर सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

आईएनए-आजाद हिंद फौज की बालक सेना के बच्चों को किसने प्रेरित किया

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए)आजाद हिंद फौज का इतिहास भारतीय विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में प्रमुखता से नहीं पढ़ाया जाता। भारत की स्वतंत्रता के कई वर्षों बाद आईएनए के पूर्व सैनिकों को औपचारिक रूप से स्वतंत्रता सेनानी के रूप में मान्यता दी गई और भारत सरकार द्वारा उन्हें पेंशन प्रदान की गई।

भारत की स्वतंत्रता में योगदान देने वाले अनेक कारणों में एक प्रमुख कारण ब्रिटिश क्राउन के प्रति भारतीय सेना और नौसेना के जवानों की निष्ठा का क्षरण था। इस परिवर्तन पर सुभाष चंद्र बोस, जिन्हें लोकप्रिय रूप से नेताजी कहा जाता है, की सैन्य गतिविधियों और नेतृत्व का गहरा प्रभाव पड़ा।

नेताजी का आह्वान "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा"ख़महात्मा गांधी के अहिंसा और सविनय अवज्ञा के दर्शन से स्पष्ट रूप से भिन्न था।

दिल्ली के लाल किले में चले आईएनए के मुकदमों ने इस संगठन को पुनः राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया। आईएनए अधिकारियों पर देशद्रोह, हत्या और अत्याचार के आरोप लगाए गए। किंतु मुकदमों के दौरान जो जनाक्रोश उमड़ा, वह अभूतपूर्व था और ब्रिटिश अधिकारियों के लिए काफी हद तक अप्रत्याशित भी। इन मुकदमों ने भारतीय सेना और नौसेना के कुछ वर्गों में असंतोष और विद्रोह की भावना को और भड़काया तथा पूरे देश में स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। इनसे आईएनए की सर्व-महिला इकाई 'रानी झांसी रेजिमेंट' पर भी व्यापक जनध्यान गया।

फिर भी, आईएनए की बालक सेना के उन बच्चों के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है, जिनमें कुछ की आयु मात्र बारह वर्ष थी। लगभग 46 किशोरों को दो वर्ष के सैन्य प्रशिक्षण के लिए जापान भेजा गया, जिन्हें "टोक्यो कैडेट्स" के नाम से जाना गया। द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की पराजय और आत्मसमर्पण के बाद उन्हें निर्धारित समय से पहले ही वापस भेज दिया गया।

मैंने बालक सेना के बारे में केवल सुना भर था, जब तक कि मुझे इसके एक पूर्व कैडेट, जयराज सी. राजाराव, जो अब 94 वर्ष के हैं, का एक छायाचित्र नहीं मिला। यह तस्वीर 7-8 फरवरी 2026 को मलेशिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी मुलाकात की थी। बाद में मुझे कुआलालंपुर स्थित उनके निवास पर उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने My Odyssey – Revolutionary & Evolutionary शीर्षक से एक पुस्तक लिखी है, जिसकी एक प्रति अब मेरे पास है। मुझे उन्हें अपनी एक उत्तराखंडी टोपी भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उनके अनुसार, "बालक सेना केवल दस से पंद्रह वर्ष के भारतीय लड़कों के लिए थी। तीन महीने के आवासीय प्रशिक्षण में उन्हें बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था, हिंदी भाषा सिखाई जाती थी और उनमें देशभक्ति तथा भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने का उद्देश्य जगाया जाता था। मैं जब मात्र बारह या तेरह वर्ष का था, तभी बालक सेना का सदस्य बना।" पेनांग फ्री स्कूल में उनके शिक्षक मैथ्यूज ने उनकी क्षमता को पहचाना और उन्हें बालक सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सहर्ष सहमति दी और 1944 में उसी विद्यालय परिसर में अन्य आईएनए स्वयंसेवकों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। एक 'पासिंग-आउट परेड' में, जिसे नेताजी ने संबोधित किया, बालक सेना के प्रशिक्षु भी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण राजाराव को नेताजी ने माला पहनाकर सम्मानित किया। वे लिखते हैं: "मैंने अपनी राइफल के साथ सधे हुए अंदाज में सलामी दी और नारा लगायाख़'नेताजी की जय, इंकलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय, चलो दिल्ली।' आश्चर्यजनक रूप से, सभी सैनिकों और बालक सेना के सदस्यों ने मेरे बाद प्रत्येक नारा दोहराया।" वह क्षण उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक था।

कल्पना की जा सकती है कि इन युवा बालक सेना के सदस्यों, आईएनए के स्वयंसेवकों और रानी झांसी रेजिमेंट की महिलाओं में राष्ट्रवाद की कितनी प्रबल भावना रही होगी। उनमें से अनेक ने भारत को केवल रीति-रिवाजों, परंपराओं और माता-पिता तथा दादा-दादी से सुनी कहानियों के माध्यम से ही जाना था, वह भी दूर देशों में रहते हुए।

विदेश में रहकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ने की उनकी प्रेरणा अवश्य ही गहरी सांस्कृतिक जड़ों, सशक्त पारिवारिक संरचना और स्थायी सामाजिक मूल्यों से शक्ति प्राप्त करती रही होगी।

(लेखक एक समाजशास्त्री हैं और जेएनयू के पूर्व छात्र हैं। उनके शोध कार्य का उल्लेख नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन की पुस्तकों में भी किया गया है।)

शब्द सामर्थ्य -044

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

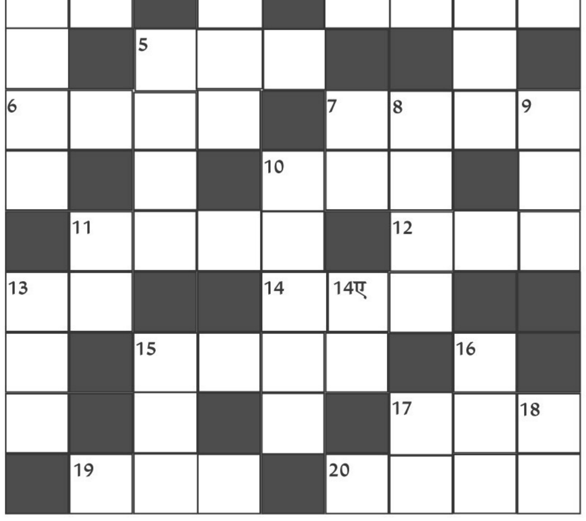

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 43 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

3 इडियट्स के सीक्वल का हो गया नामकरण, अब होगा 4 गुना धमाल

निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्म 3 इडियट्स आज भी लोगों के बेहद करीब है। जब से फिल्म के सीक्वल की जानकारी सामने आई है, इसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इस बीच, एक सूत्र ने बताया है कि निर्माताओं ने सीक्वल का अस्थायी रूप से नामकरण कर दिया है। सूत्र ने आगे बताया कि सीक्वल की स्क्रिप्ट पहले से तय हो चुकी है और 2026 से इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने जानकारी दी है कि निर्माताओं ने सीक्वल को 4 इडियट्स नाम दिया है। आगे चलकर इसमें बदलाव की संभावना है। इसके अलावा, निर्माता सीक्वल में एक नए मुख्य किरदार को शामिल करके फ्रैंचाइजी का विस्तार करने के मूड में हैं। उन्होंने कहा, स्क्रिप्ट पर फिलहाल 4 इडियट्स नाम से काम चल रहा है। निर्माता सक्रिय रूप से चौथे इडियट की खोज में जुटे हैं, जो किसी सुपरस्टार का नाम हो सकता है।

सूत्र ने आगे कहा, लेखन प्रक्रिया जारी है और टीम चाहती है कि यह पहले भाग से भी बड़ा और बेहतर हो, और वहीं से आगे बढ़े जहां पहला भाग खत्म हुआ था। हालांकि, इसमें नए तत्व भी शामिल होंगे जिससे चौथे मुख्य किरदार को शामिल करने का असर दिखे। 3 इडियट्स 2009 में रिलीज हुई थी, जिसमें आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोशी और करीना कपूर शामिल थे। इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 200 करोड़ का कारोबार किया था।

भूत पुलिस 2 के लिए निर्देशक प्रियदर्शन ने वूसली मोटी फीस, इस बार दिखेंगे नए चेहरे

सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडिस और यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत पुलिस 2021 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया था जिसे लोगों ने ठीक-ठाक प्रतिक्रिया दी। अब इस फिल्म का सीक्वल चर्चा में है जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी प्रियदर्शन ने उठाई है। उन्हें हेरा फेरी और भूल भुलैया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। बताया जाता है कि भूत पुलिस 2 के लिए के लिए प्रियदर्शन ने मोटी फीस वसूली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूत पुलिस 2 पर आधिकारिक तौर पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके निर्देशन के लिए प्रियदर्शन को चुना गया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रियदर्शन इस सीक्वल का निर्देशन करने के लिए 21 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि पहली किस्त की तरह सीक्वल भी हॉरर-कॉमेडी जॉनर को बरकरार रखेगा लेकिन कास्टिंग में बड़ा बदलाव होगा। सैफ और अर्जुन की बजाए नई जोड़ी पर दांव लगेगा।

सूत्र ने आगे कहा, विचार यह है कि एक नई जोड़ी के साथ इस फ्रैंचाइज को नया रूप दिया जाए। निर्माता 2 अभिनेताओं पर विचार कर रहे हैं। फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया और प्री-प्रोडक्शन का काम पूरा होने के बाद, शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है। प्रियदर्शन सीक्वल को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, प्रियदर्शन आगामी फिल्म हैवान में व्यस्त हैं जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली नजर आएंगे।

बॉर्डर 2 ने खोल दी अहान शेट्टी की किस्मत, हाथ में आई 3 बड़ी फिल्में

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के लाडले बेटे अहान शेट्टी इस वक्त जनता की तारीफें बटोर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 में देखा गया है। सनी देओल अभिनीत इस फिल्म को दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। अहान ने इसमें भारतीय नौसेना के जांबाज अधिकारी का किरदार निभाया है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म ने अहान की किस्मत का ताला भी खोला है। उनके हाथ 1 या 2 नहीं, बल्कि 3 फिल्में लग चुकी हैं।

अहान ने बताया कि उन्होंने 3 फिल्में साइन की हैं। इनमें से उनकी एक फिल्म निर्देशक शाद अली के साथ है जिन्हें साथिया (2002) के लिए जाना जाता है। अभिनेता ने कहा, यह एक दमदार एक्शन लव स्टोरी है, एक ऐसी फिल्म जिसमें मैं तड़प (2021) के बाद वापसी कर रहा हूं। मुझे ऐसे दमदार किरदार और उनकी गहराई पसंद है। उन्होंने बताया कि फिल्म का शीर्षक तय नहीं हुआ है, लेकिन काम चल रहा।

अहान ने आगे कहा, शाद सर को पता है कि उन्हें क्या चाहिए। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं क्योंकि हम एक-दूसरे को समझते हैं। मुझे लगता है कि वह मुझसे बेहतरीन अभिनय करवाएंगे। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग 2026 की गर्मियों में शुरू करने का लक्ष्य है। तारीख तय नहीं है, लेकिन कहानी और संगीत पर काम चल रहा है। बता दें, अहान ने फिल्म तड़प (2021) से डेब्यू किया था जिसमें तारा सुतारिया थीं।

मैं फेल हो सकती हूं, मगर हार नहीं मानूंगी : पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।

नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं।

पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा।

फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म वेंकटलक्ष्मी में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं।

शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर रिलीज, रोमांटिक फिल्म में जची मृणाल और सिद्धांत की शानदार केमिस्ट्री

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दो प्रेमियों की कहानी देखने को मिलती है। दोनों की पसंद अलग है, लेकिन फिर कैसे दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ते हैं और अंत में उनकी प्रेम कहानी किस मोड़ पर पहुंचती है, ये फिल्म में देखने को मिलेगा।

ट्रेलर की शुरुआत में मृणाल (रोशनी) और सिद्धांत (शशांक) के किरदार अपनी-अपनी आदतों और पसंद के बारे में बताते हैं। इसके बाद ट्रेलर में देखने को मिलता है कि दोनों की शादी की बात होती है, जहां शशांक के घरवाले रोशनी के घर रिश्ता लेकर जाते हैं। दोनों के पेरेंट्स दोनों को शादी करने के लिए कहते हैं और कैसे बात करना है ये बताते हैं। शशांक श' को स' कहता है, जिसके चलते उसे पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शादी के लिए रोशनी शशांक को मना कर देती है। लेकिन बाद में दोनों एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं और उनके बीच प्यार पलने लगता है। फिर अचानक कुछ ऐसा होता है कि दोनों फिर अलग हो जाते हैं। अंत में क्या होता है, ये जानने के लिए फिल्म देखनी पड़ेगी।

1 मिनट 58 सेकंड के इस ट्रेलर में अरेंज मैरिज, प्यार और प्रोफेशनल लाइफ सभी पर बात की गई है। एक ओर जहां दिखाया जाता है कि प्रोफेशनल लाइफ में किस तरह की दिक्कतें आती हैं और मृणाल का किरदार जैसे हो, वैसे रहने की बात करता है। वहीं दूसरी ओर अरेंज मैरिज के लिए कैसे घर वाले दबाव बनाते हैं और कहते हैं, वो भी दिखाया गया है। ट्रेलर से फिल्म की कहानी के बारे में काफी हद तक पता चलता है। फिल्म के गाने पहले से ही पसंद किए जा रहे हैं। अब देखने है कि फिल्म दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाती है। रवि उदयवार द्वारा निर्देशित दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा नवीन कौशिक, इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता और आयशा रजा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

टैक्सी चालकों ने सड़क के गड्ढ़ों को भरा, विभाग को दिखवाया आईना

चमोली(आरएनएस)। सड़क की बदहाल स्थिति को जब पीएमजीएसवाई ठीक नहीं कर पाया तो टैक्सी चालकों ने खुद ही सड़क के गड्ढ़े भरे। चालकों ने सीमेंट और कंक्रीट भर कर सड़क को आवाजाही योग्य बनाया। बीते वर्ष अगस्त-सितंबर की भारी बारिश व आपदा से हिमनी-बलाण सड़क में एक माह से अधिक यातायात बाधित रहा। विभाग की नियमित देखरेख नहीं होने से कालीताल से ऊपर इस सड़क का करीब 70 मीटर हिस्सा आवाजाही के लिए खतरनाक बना हुआ है। टैक्सी चालकों ने बताया कि कई बार इसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों को दी गई। लेकिन विभाग ने गड्ढ़ों को नहीं भरा। जिस कारण सड़क में बड़े गड्ढ होने से खतरा बना है। बलाण के गोविंद सिंह बिष्ट ने बताया कि शुक्रवार को वाहन चालक व वाहन स्वामी लक्ष्मण सिंह, देव सिंह, भुवन सिंह, लखपत सिंह, अर्जुन सिंह आदि कई ने चार कट्टे सीमेंट व कंक्रीट से सड़क के गड्ढ़ों को भरा गया। यहीं नहीं सड़क में पड़े पत्थर व वोल्डरों को भी हटाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि कालीताल से उपर दो किमी सड़क की स्थिति खतरनाक बनी हुई है। कई बार विभाग को बताने के बाद भी इस सड़क की स्थिति में सुधार नहीं हो पाया।

अप्रैल में होगा सूर्य देवभूमि चैलेंज ट्रेल का आयोजन

ज्योतिर्मठ/गोपेश्वर। शीतकालीन खेलों के उद्घाटन अवसर पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सीमांत क्षेत्रों में वर्ष 2026 के दौरान आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अप्रैल में भारतीय सेना के सहयोग से सूर्य देवभूमि चैलेंज का आयोजन प्रस्तावित है। यह 91 किमी ट्रेल हेलंग से उर्गम-रुद्रनाथ-मंडल होते हुए ऊखीमठ तक आयोजित की जाएगी। आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन की सफलता के बाद 31 मई को चमोली की नीती घाटी से नीती एक्सट्रीम अल्ट्रा दौड़ आयोजित होगी। इसमें रिमखिम-नीती-मलारी तक 75 किमी तथा नीती से मलारी तक 42 किमी अल्ट्रामैराथन शामिल है। प्रतियोगिता में विदेशी प्रतिभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जून में भारतीय सेना के साथ बदरीनाथ एवं माणा में देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल के द्वितीय संस्करण का आयोजन होगा। साथ ही 80 के दशक में कुमाऊं और गढ़वाल के बीच आयोजित होने वाली प्रसिद्ध हिमालयन कार रैली को भी इस वर्ष पुन: शुरू करने की योजना है।मंत्री ने बताया कि औली रोपवे की मरम्मत के लिए तकनीकी टीम ज्योतिर्मठ पहुंच चुकी है। इस अवसर पर बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जीएमवीएन के महाप्रबंधक लक्ष्मी राज चौहान, निदेशक वित्त रोमिल चौधरी, राकेश रंजन भिलंगवाल, उपनिदेशक अमित लोहनी, एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़ तथा साहसिक खेल अधिकारी सीमा नौटियाल उपस्थित रहे।

सू- दोकू क्र.044

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 43 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बेरोजगार युवाओं, किसानों और कमजोर वर्ग को प्राथमिकता से ऋण दें बैंक: जिलाधिकारी

हरिद्वार(आरएनएस)। डीएम मयूर दीक्षित ने कहा है कि बैंक बेरोजगार युवाओं, किसानों और कमजोर वर्ग के आवेदन प्राथमिकता से स्वीकृत करते हुए शीघ्र ऋण उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही, उन्होंने गैरहाजिर प्रबंधकों को नोटिस जारी करने के साथ उद्यान अफसर का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए।

जिला कार्यालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा समिति और जिला सलाहकार समिति की बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन पत्रों पर अनावश्यक आपत्तियां न लगाई जाएं और लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस बैठक में कई बैंक शाखा प्रबंधकों की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और लीड बैंक अधिकारी को इन प्रबंधकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) की समीक्षा के दौरान 40 प्रतिशत से कम अनुपात वाली बैंक शाखाओं को कृषि, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश दिए। सभी विभागों और बैंकों को वेबसाइट पर अपलोड किए जाने वाले आंकड़ों में विसंगति न रखने की हिदायत दी।

पीएमएफएमई योजना की धीमी प्रगति और बैठक में गैरहाजिरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए डीएम ने जिला उद्यान अधिकारी का फरवरी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। अग्रणी जिला प्रबंधक दिनेश गुप्ता ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक जनधन योजना के तहत 29.15 लाख से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। पीएम सुरक्षा बीमा योजना में 8.60 लाख से अधिक, जीवन ज्योति बीमा योजना में 28 हजार और अटल पेंशन योजना में 1.95 लाख लोग जुड़ चुके हैं।

इस बैठक में डीडीएम-नाबार्ड अखिलेश डबराल, आरसीटी निदेशक शिव कुमार, जीएम-उद्योग उत्तम कुमार तिवारी, जिला कृषि अधिकारी गोपाल भंडारी, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, सहायक निदेशक मत्स्य गरिमा मिश्रा, आरएफसी अभिषेक कुमार मौजूद रहे। साइबर अपराध से बचाव पर भी जोर डीएम ने बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुए सभी बैंक शाखाओं को ग्राहकों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसएमएस, पोस्टर और बैनर जैसे माध्यमों से लोगों को सतर्क किया जाए, ताकि साइबर ठगी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

100 मीटर दौड़ में अमर और सिमरन ने मारी बाजी

नई टिहरी(आरएनएस)। एचएनबी केंद्रीय गढ़वाल विवि के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल के शिक्षा विभाग की ओर से तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू हो हुई। 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ में अमन परमार और बालिका में सिमरन ने पहला स्थान प्राप्त कर बाजी जीती। एसआरटी परिसर बादशाहीथौल के खेल में परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. केसी पेटवाल ने खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि खेल हमें मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ रोजगार और नौकरी की संभावना को आगे बढ़ती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, लग्न और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने को कहा। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता गोदियाल ने बताया कि 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ बालक वर्ग में आशीष गौड़, शेखर सिंह तथा बालिका वर्ग में गीता और प्रेरणा नेगी ने क्रमश दूसरे और तीसरे स्थान प्राप्त किया। बॉल थ्रो बालक वर्ग में शुभम उनियाल, सागर रावत, सचिन उनियाल और बालिका वर्ग में तमन्ना धनाई, गीता,साक्षी काला ने क्रमश पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। बालक वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता में बीएड प्रथम वर्ष की टीम विजेता और बीएड द्वितीय वर्ष उप विजेता रही।

सुखरो व खोह नदी के बीच के 23 वार्डों के लिए होगी ड्रेनेज व्यवस्था

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर निगम क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम को विकसित व पुख्ता करने के लिए कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग की ओर से डीपीआर बनाने के लिए प्रारंभिक सर्वे किया जा चुका है। शुक्रवार को नगर निगम प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में कार्यदायी संस्था ने पार्षदों व वार्डवासियों को पीपीटी के माध्यम से ड्रेनेज सिस्टम से अवगत कराया। मेयर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम को विकसित करने की योजना सीएम की घोषणा में शामिल है। उनका प्रयास है कि योजना जल्द धरातल पर उतारा जाए। योजना के लिए इसी वित्तीय वर्ष में शासनादेश जारी होने के साथ ही धनराशि आवंटित कराई जानी है। नगर आयुक्त पीएल शाह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि ड्रेनेज सिस्टम को विकसित करने के लिए सिंचाई विभाग को कार्यदायी संस्था बनाया गया है और उनके द्वारा डीपीआर तैयार करने के लिए कंसल्टेंसी की तैनाती कर दी गई है। सिंचाई विभाग दुगड्डा के अधिशासी अभियंता अनिल राठौर ने बताया कि उपस्थित लोगों के जो भी अमूल्य सुझाव होंगे उन्हें डीपीआर में शामिल किया जाएगा। पहले भाग में सुखरो व खोह नदी के बीच वार्ड नंबर-4 से लेकर वार्ड नंबर 26 तक को शामिल किया गया है। इस पूरे क्षेत्र को छह जोन में बांट गया है जिन जोन में जंगल का पानी फ्लड के रूप में आता है। पार्षद विपिन डोबरियाल, सूरज प्रसाद कांति, संजय मित्तल, आशा राम ने कहा कि टीम उनके क्षेत्र में नहीं आई है और न ही पार्षदों से ही संपर्क किया गया है। टीम एक बार पुन सर्वे कर ऐसे क्षेत्रों को डीपीआर में शामिल करेगी। कार्यक्रम में पार्षदों के साथ उनके वार्डों के पांच-पांच नागरिक भी शामिल रहे।

सात साल पूर्व गायब किशोर को बरामद किया

चम्पावत(आरएनएस)। सात साल पूर्व गायब हुआ एक किशोर अब युवक बन कर घर पहुंचा। दरअसल गायब किशोर को पुलिस ने सात साल बाद गुजरात से बरामद कर परिजनों को सौंपा। एसपी अजय गणपति ने बताया कि नर्सो, गुमदेश वर्तमान सेरीगैर, लोहाघाट निवासी नाबालिग निर्मल सिंह सामंत सात साल पूर्व गायब हो गया था। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, एएचटीयू के निरीक्षक इंद्रजीत सिंह, एसआई हरीश प्रसाद, एएसआई लाल सिंह अधिकारी, कांस्टेबल चंदन सिंह शामिल रहे।

टिहरी बांध की झील से मछलियों को पकड़ने का कार्य होगा शुरू

उत्तरकाशी (आरएनएस)। टिहरी बांध की झील से जल्द मछलियों को पकड़ने का कार्य शुरू होने की उम्मीद है। गत पांच वर्षों के भीतर किसी ने मछलियों को पकड़ने में रुचि नहीं दिखाई है। गत माह शासन स्तर से बांध की झील में मछलियों को पकड़ने और पालने के लिए टेंडर जारी किए गए हैं।

टिहरी बांध की 42 वर्ग किलोमीटर विशालकाय झील में पल रही मछलियों को पकड़ने के लिए गत पांच वर्षों में न तो स्थानीय लोगों और न ही कोई बाहरी संस्था आगे आ पाई है। देखरेख के अभाव में बिना रोक-टोक के लोग मछलियों का अवैध शिकार कर रहे हैं। हाल ही शासन स्तर से टिहरी बांध की झील से मछलियों को पकड़ने के लिए आगामी 10 वर्षों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी की गई है जिसमें मछलियों का पकड़ने के साथ झील में जालीनुमा छोटे-छोटे तालाब बनाकर से मछलियों का पालन किया जा सकेगा। युवाओं को रोजगार मिलने के साथ राजस्व में बढ़ोतरी होगी। साथ ही बांध की झील में पल रही मछलियों के अवैध शिकार पर रोक लगेगी। टिहरी बांध की झील में बड़े पैमाने पर महाशीर, कॉमन कार्प, कतला, रोहू, नैना मछलियों के साथ स्थानीय प्रजाति की असेला जैसी मछलियां भी पाई जाती है। बांध की झील में मछलियों की पैदावार बढ़ाने लिए समय-समय सरकार के सहयोग से मत्स्य विभाग मछलियों के बीज डालता है। मत्स्य विभाग के कर्मियों की माने तो लंबे समय से टिहरी बांध की झील में मछलियों को पकड़ने के लिए कई बार टेंडर प्रक्रिया जारी की गई लेकिन विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण स्थानीय लोगों ने रुचि नहीं दिखाई। इस बार शासनस्तर से बांध की झील में मछलियों को पकड़ने के लिए टेंडर की प्रक्रिया जारी की है। शासनस्तर पर प्रक्रिया गतिमान है। टेंडर प्रक्रिया के मुताबिक झील में मछलियों को पकड़ने वाली संस्थाओं को मछली पालन का कार्य भी करना होगा। इसके लिए संस्था झील क्षेत्र में 45 जगहों पर जालीनुमा तालाब बनाकर मछलियों किया जाएगा जिन संस्थाओं ने मछली पकड़ने के लिए आवेदन किया है वह वर्तमान में झील क्षेत्र में सर्वे कार्य कर रही है।

एसएसपी ने किया पुलिस कार्यालय की सभी शाखाओं का भ्रमण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नवनियुक्त एसएसपी हरिद्वार, नवनीत सिंह ने आज पुलिस कार्यालय की सभी शाखाओं का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होने नियुक्त स्टॉफ का परिचय लेते हुए पीड़ित की समय रहते मदद को बेहद जरूरी बताया।

नवनियुक्त एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा आज पुलिस कार्यालय की सभी शाखाओं का भ्रमण किया गया। इस दौरान एसएसपी भुल्लर द्वारा सभी शाखा प्रभारियों व नियुक्त स्टॉफ एवं किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

भ्रमण के दौरान एसएसपी भुल्लर द्वारा सभी प्रभारियों को सुस्पष्ट निर्देश जारी किए गए कि कार्यालय स्टॉफ निर्धारित समय से कार्यालय में आएं व दिए गए कार्यों को व्यवस्थित रूप से पूर्ण करे। जनता द्वारा किए गए आवेदन को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए।

आठ लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत वितरण उपखण्ड के अवर अभियंता विपिन कोठियाल ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने कुरैशी मौहल्ला निवासी वसीम पुत्र नसीम, मुस्कान पुत्री मनव्वर, गुडडा पुत्र नूर मौहम्मद, कुंजा ग्रांट निवासी गुलफाम पुत्र महबूब, विजेन्द्र पुत्र रामस्वरूप, आरिश पुत्र गुलजार व समीर पुत्र लतीफ के घरों पर छापा मारा तो वहां पर बिजली के पोल पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकडा है। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार के घायल होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिधौली प्रेमनगर निवासी नुदरत जेंबा ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहा था जब वह डुंगा रोड भाऊवाला के पास पहुंचा तभी तेज गति से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पर्यावरण प्रेमी, राज्य आंदोलनकारी व प्रमुख समाज सेवी मोहन सिंह खत्री द्वारा मालसी रेंज मे पिंजरे मे फंसी स्याही को वन विभाग के सुपुर्द कर आजाद किया गया।

'पूरे प्रदेश में चलेगा व्यापक सत्यापन.... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस का यह व्यापक अभियान महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पूरे अभियान की उवदपजवतपदह के साथ-साथ हर स्तर पर जवाबदेही तय की गई है। आपराधिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

टिहरी झील को ग्लोबल डिटिनेशन के रूप में करें विकसित: बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने टिहरी झील को ग्लोबल डिटिनेशन के रूप में विकसित किये जाने के लिये प्रभावी कार्ययोजना बनाये जाने के निर्देश दिये है।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने टिहरी झील को ग्लोबल डिटिनेशन के रूप में विकसित किये जाने के लिये प्रभावी कार्ययोजना बनाये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने सचिव पर्यटन को उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के स्तर पर टिहरी झील एवं उसके समीपवती क्षेत्रो को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किये जाने तथा अवस्थापना सुविधाओं के विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन से पूर्व टिहरी लेक डिस्टिनेशन का पर्यटन के दृष्टिगत विस्तृत मास्टर प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिये। सचिवालय में पर्यटन विकास परिषद द्वारा टिहरी लेक प्रोजेक्ट के तहत सतत् समावेशी अनुकूल जलवायु आधारित पर्यटन विकास योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिये कि टिहरी लेक को ग्लोबल डिटिनेशन के रूप में विकसित किये जाने संबंधी भारत सरकार को भेजे जाने वाले प्रस्ताव में शामिल किया जाय। उन्होने टिहरी लेक का पूरा मास्टर प्लान तैयार करने के लिये अनुभवी कन्सलटेन्ट की नियुक्ति के साथ पर्यटन विभाग को इसी के दृष्टिगत अपनी कार्ययोजना तैयार करने को कहा। मुख्य सचिव ने टिहरी लेक के चारों ओर रिंग रोड तैयार करने की कार्ययोजना में तेजी लाये जाने, टिहरी लेक में प्रस्तावित सी प्लान योजना के साथ रिंग रोड पर कम से कम दो हेलीपैड बनाए जाने की व्यवस्था के भी निर्देश दिये। इसके लिये उन्होंने सचिव वित्त से सचिव पर्यटन, नागरिक उड्डयन तथा लाके निर्माण से समन्वय कर योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव ने कहा कि टिहरी लेक को ग्लोबल डिटिनेशन के रूप में पहचान दिलाने के लिये आवश्यक है कि यहां पर विश्व स्तरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास हो, उन्होंने लोक निर्माण विभाग को रिग रोड के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि रिंग रोड बनने से अन्य अवस्थापना सुविधाओं के विकास में भी तेजी आ सकेगी। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश मुनि की रेती तथा लोहाघाट चम्पावत के पर्यटन विकास से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव भी शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये ताकि सभी प्रस्तावों को मास्टर प्लान के साथ समयान्तर्गत भारत सरकार को प्रेषित किया जा सके। बैठक में सचिव दिलीप जावलकर, श्रीधर बाबू अदांकी, अपर सचिव अभिषेक रोहेला, गिरधारी सिंह रावत, एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

घर में घुसकर मारपीट में पिता-पुत्रों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्रों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भोजावाला निवासी प्रदीप पुण्डीर ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अजयपाल व उसके पुत्रों वंश व कनिष्ठ ने उसके घर में घुसकर उसके साथ गाली गलौच शुरू कर दी। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो तीनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डीएम की अध्यक्षता में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 51 शिकायते दर्ज कराई गई जिसमें से 28 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि, विवाद, विद्युत, राशन अतिक्रमण ,पेयजल आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जिन शिकायतों पर स्थलीय निरीक्षण किया जाना है संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान करना सुनाश्चित करे। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि कोई भी शिकायतकर्ता व्यक्ति अपनी शिकायत को दुबारा जन सुनवाई में लेकर न पहुंचे,यदि कोई व्यक्ति अपनी शिकायत को लेकर दुबारा जन सुनवाई में आता है तथा शिकायत संबंधित अधिकारी द्वारा निस्तारित की जा सकती थी एवं समय पर शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया तो ऐसे अधिकारियों की विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सीएम हेल्प लाइन में जो भी शिकायते दर्ज की जा रही है,उनको सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ निरंकरण करना सुनिश्चित करे, 36 दिन से अधिक जो भी शिकायते लंबित है उनका निराकरण तत्परता से करना सुनिश्चित करे। जिसमें एल 1 पर 536 शिकायतें तथा एल 2 पर 116 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है,जिन्हें शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

बैठक मे अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान,जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश,सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा)मीनाक्षी मित्तल,जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, मुख्य कृषि अधिकारी गोपाल सिंह भण्डारी,जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरूंग, परियोजना निर्देशक उरेडा वाई एस बिष्ट सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

मसूरी में चलेगें 54 गोल्फकार्ट

हमारे संवाददाता

देहरादून। मसूरी में रिक्शा अब हुए पुरानी जमाने की बात हो गई मसूरी को जल्द ही 40 नये गोल्फ कार्ट जल्द मिलने जा रहे। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूर्ण करते हुए सीएसआर फंड से 3.36 करोड़ धनराशि का प्रबन्ध कर लिया है। इससे पूर्व 14 गोल्फ कार्ट जिलाधिकारी के प्रयासों से मसूरी को पहले ही मिल चुके। वहीं अब 40 नये गोल्फकार्ट मिलने जा रहे जो कि मसूरी मॉल रोड कैमल बैक रोड पर चलने वाले स्थानीय रिक्शा का स्थान लेगें जिसके लिए रिक्शा चालकों को इसके लिए पूर्व में प्रशिक्षित किया गया है।

जिला प्रशासन द्वारा गोल्फकार्ट के लिए आरईसी फांडेशन लि0 (आरईसी) के अधिकारियों से चर्चा कर अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए सीएसआर फंड से धनराशि की मांग की जिस पर आईसी से 3.36 करोड़ धनराशि सीएसआर फंड से दी जा रही है। जिला प्रशासन का मसूरी में गोल्फकार्ट संचालन कराना अपने आप में बेहतरीन प्रयास जिससे मसूरी में जाम से निजात तो मिलेगा ही साथ मसूरी वासियों एवं पर्यटकों को सुविधा तथा स्थानीय रिक्शा चालकों को रोजगार मिलेगा।

❑साइकिल रिक्शा बनेगें अब इतिहास

जिला प्रशासन के प्रयासों से दिसम्बर 2024 को मूसरी को सुगम सुविधा एवं जाम से निजात दिलाने हेतु गोल्फकार्ट का शुभारम्भ किया गया था स्थानीय रिक्शा चालकों को गोल्फ कार्ट चलाने हेतु सम्बन्धित कम्पनी के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। नगर पालिका परिषद द्वारा प्रथम चरण में 4 गोल्फ कार्ट चलाए गए थे, वर्तमान में जिनकी संख्या 14 है। इन 40 नए गोल्फकार्ट आने से अब इनकी संख्या 54 हो जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर मसूरी माल रोड में यातायात के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए माल रोड पर वाहनों का आवागमन पर रोक लगाते हुए, स्थानीय निवासियों एवं पर्यटकों की आवागमन हेतु सुगम सुविधा के लिए गोल्फ कार्ट चलाने की जिला प्रशासन ने योजना है, जो की मसूरी में यातायात प्रबंधन की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

जनपद देहरादून के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहाड़ो की रानी मसूरी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने तथा स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों को सुगम आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल के नेतृत्व में मसूरी में चरणबद्ध तरीके से गोल्फकार्ट संचालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे जाम की समस्या से निजात के साथ ही पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा मिला है। मसूरी में पूर्व में 14 गोल्फकार्ट संचालित किए जा चुके हैं। अब 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट शीघ्र ही शामिल किए जाने जा रहे हैं, जिससे इनकी कुल संख्या में और वृद्धि होगी। ये गोल्फकार्ट विशेष रूप से मसूरी मॉल रोड एवं कैमल्स बैक रोड पर संचालित किए जाएंगे, जहां पूर्व में स्थानीय रिक्शा संचालित होते थे।

अधिकारी बक्शे नहीं जायेंगेः प्रीतम

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के विधायक व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कांग्रेस के प्रचार-प्रसार की सामग्री हटाये जाने पर कहा कि हमेशा भाजपा की सरकार नहीं रहेगी जब कांग्रेस की सरकार आयेगी तो ऐसे अधिकारियों को बक्शा नहीं जायेगा।

आज यहां कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर राजभवन कूच का ऐलान किया गया था तथा अपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शहर भर में बैनर पोस्टर लगाये गये थे। आज प्रातः सात बजे से पहले ही नगर निगम की टीमें शहर में फैल गयी और कांग्रेस के बैनर पोस्टर उतारने शुरू कर दिये। जिसके बाद पूर्व नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेसी नेता प्रीतम सिंह ने इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा अस्थायी राजधानी में राज्यपाल के आवास पर घेराव का कार्यक्रम आज तय किया गया है। जिसके लिए शहर भर में बैनर पोस्टर लगाये गये थे। उनका आरोप है कि नगर निगम प्रशासन के द्वारा सरकार के आदेश पर शहर भर से कांग्रेस के बैनर पोस्टर हटाये गये हैं। उन्होंने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि हमेशा से भाजपा की सरकार नहीं रहेगी जिस दिन कांग्रेस सत्ता में आयेगी तो ऐसे अधिकारियों को बक्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि आज की रैली भाजपा सरकार के ताबूत में कील ठोकने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि आज जो काम नगर निगम के अधिकारियों के द्वारा किया गया है उसको वह अपने जेहन में रखेंगे और सत्ता में आते ही ऐसे अधिकारियों को दण्डित किया जायेगा। उन्होंने ऐसे काम को निदंनीय कहा।

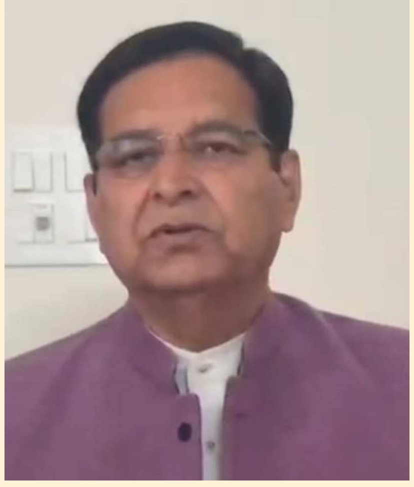

धोखाधड़ी मामले में फरार चल रहा पांच हजार का ईनामी गिरफ्तार

हरिद्वार (हसं)। धोखाधड़ी मामले में लम्बे समय से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा फोरेक्स ट्रेडिंग तथा सेर्मस की खरीद के नाम पर 15 लाख की धोखाधड़ी की गयी थी। जो वर्ष 2024 से लगातार फरार चल रहा था। जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में राकेश कुमार के सिडकुल थाने में दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने मोहित अग्रवाल आदि के खिलाफ फोरेक्स ट्रेडिंग तथा सेर्मस की खरीद फरोख्त के नाम पर 15 लाख रुपये की धोखाधडी करने के मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा लगातार सम्भावित स्थानों पर दबिश देने के बावजूद आरोपी मुकदमा दर्ज होने की तारीख से ही लगातार फरार चल रहा था। पुलिस छापेमारी से पहले ही आरोपी के अपने रहने के ठिकाने बदल-बदल कर पुलिस को गुमराह करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 5000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जिस पर पुलिस द्वारा न्यायालय से गैर जमानतीय वारण्ट हासिल किये गए। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार किये जा रहे प्रयासों के तहत पुलिस ने देर रात एक सूचना के आधार पर आरोपी मोहित अग्रवाल को थाना वेव सिटी गाजियाबाद उ.प्र. से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गई है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

रेसकोर्स में आवारा कुत्तों का आंतक, दम्पत्ति बाल-बाल बचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के पाश इलाके रेसकोर्स में इन दिनों आवारा कुत्तो का आंतक अपने चरम पर है। यह कुत्ते जहां आने जाने वाले लोगों पर

❑नगर निगम के दावे फेल, आवारा कुत्ते घूम रहे हैं सड़कों पर

झपट रहे है वहीं इनके आतंक के चलते कई लोग इनसे बचने के चक्कर में दुर्घटना का शिकार हो रहे है।

मामला बीते रोज का है। यहां शहर के एक जाने-माने चित्रकार जाकिर अपनी पत्नी के साथ किसी परिचित के घर आये हुए थे। जब वह वापस लौटने लगे तो उन्हे वहां मौजूद आवारा कुत्तों ने घेर लिया जिस पर उन्होने किसी तरह अपने आप व अपनी पत्नी को बचाया। जिस पर वहां मौजूद लोगों का कहना था कि यहां इसी तरह यह आवारा कुत्ते लोगों पर झपट रहे है। जिससे हर दिन यहां लोगों की जान का खतरा बना हुआ है। यहां सोचने वाली बात यह है कि जब देहरादून का नगर निगम शहर से इन आवारा कुत्तो का आंतक समाप्त करने की बात करता है तो फिर यह भारी संख्या में आवारा कुत्ते क्यों और कहां से आ रहे है। यह सवाल नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने के लिए काफी है?

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस ने चलाया अभियान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। "सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा माह" के समापन अवसर पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर हरिद्वार यातायात पुलिस द्वारा शंकराचार्य चौक, हरिद्वार पर व्यापक जनजागरूकता

शंकराचार्य चौक पर पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा बाँटे गए हेलमेट

अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक यातायात निशा यादव के नेतृत्व तथा पुलिस उपाधीक्षक यातायात विपेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।

अभियान के दौरान दुपहिया वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने की सलाह दी गई।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित वाहन चालकों को बताया कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण है। सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर लगने वाली चोटें गंभीर एवं प्राणघातक सिद्ध हो सकती हैं, जिनसे बचाव हेतु गुणवत्तायुक्त हेलमेट का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंतर्गत नियमों का पालन करने वाले तथा बिना हेलमेट पाए गए कुछ दुपहिया वाहन चालकों को मौके पर ही हेलमेट वितरित किए गए। साथ ही सभी को यह संदेश दिया गया कि वे स्वयं भी हेलमेट पहनें तथा अपने परिवारजनों और परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

उक्त कार्यक्रम द नेशनल हेल्पिंग हैंड एवं हरिद्वार यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें सामाजिक सहभागिता के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश दिया गया। कार्यक्रम में यातायात पुलिस निरीक्षक हितेश कुमार, संदीप सिंह नेगी, हरिद्वार यातायात पुलिस टीम तथा द नेशनल हेल्पिंग हैंड के सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।